01, 02,03,04-05-2024

अमर उजाला

उपलब्धि

डॉ. सीमा परोहा ने इंस्टीट्यूट के 20वें निदेशक के रूप में संभाला चार्ज

एनएसआई के 88 साल के इतिहास में पहली बार किसी महिला को निदेशक की जिम्मेदारी

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) के इतिहास में पहली बार किसी महिला को निदेशक पद की जिम्मेदारी दी गई है।प्रो. सीमा परोहा ने बुधवार को 20वीं निदेशक के रूप में कार्यभार संभाल लिया। वर्ष 2014 से वे इंस्टीट्यूट के बॉयोकेमिस्ट्री विभाग की प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष थीं। एनएसआई की स्थापना 1936 में हुई थी।

बुधवार को एनएसआई के शर्करा सौंध में स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने कहा कि एनएसआई के रिसर्च एंड डेवलपमेंट को कॉमर्शियल बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि मीठे ज्वार से इथेनॉल बनाने के शोध के संबंध में एक मल्टीनेशनल कंपनी से करार हुआ है। अभी तक शोध कार्य लैब में हो रहा था। अब इसे 10 एकड़ के फार्म पर किया जाएगा। लैब में एक टन मीठे ज्वार से अभी 56 लीटर इथेनॉल बन पाता है। इसके अलावा गन्ना जल को पीने योग्य बनाएंगे। इसे मिनरल वॉटर के रूप में तैयार किया जाएगा।

एनएसआई को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर बॉयोफ्यूल बनाया जाएगा। इसमें आईआईटी के साथ मिलकर काम करेंगे। सेंटर में इथेनॉल, एविएशन फ्यूल, चुकंदर, बॉयो गैस, सीएनजी आदि पर काम किया जाएगा। प्रोफेसर परोहा ने बताया कि खाली पदों को भरना प्राथमिकता है।

2014
से संस्थान में बॉयोकेमिस्ट्री की विभागाध्यक्ष थीं
प्रो. सीमा परोहा
एनएसआई निदेशक

संस्थान में ये शोध हुए

- डायटरी फाइबर तकनीक खोजी
- बॉयो सीएनजी की तकनीक तैयार की
- वैकल्पिक फूड स्टाक से इथेनॉल बनाने की तकनीक खोजी
- पोटाश वाली राख से खाद बनाने की तकनीक विकसित की
- प्रेस मड से सीएनजी बनाने की तकनीक खोजी
- विभिन्न तकनीक की खोज के साथ 90 शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं
- दो तकनीकों के पेटेंट के लिए आवेदन किया जा चुका है

एनएसआई के पांच डिप्लोमा कोर्स डिग्री में होंगे तब्दील

कानपुर। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) के पांच डिप्लोमा कोर्स डिग्री में तब्दील होंगे। इससे छात्र-छात्राओं को फायदा होगा। वे पीएचडी और उच्च शिक्षा की दूसरी डिग्री ले सकेंगे। अभी तक विभिन्न डिप्लोमा कोर्स की अलग-अलग अवधि रही है। डिग्री कोर्स शुरू होने के बाद इनकी पढ़ाई दो साल की होगी। केंद्र सरकार की नई शिक्षा नीति के तहत इन्हें डिग्री कोर्स में तब्दील किया जाएगा। एनएसआई प्रबंधन ने इनका करिकुलम ड्राफ्ट तैयार कर लिया है। अगले सत्र से इन डिग्री कोर्स की पढ़ाई शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही है। एनएसआई की निदेशक प्रोफेसर सीमा परोहा ने बताया कि शुगर इंजीनियरिंग, टेक्नोलॉजी समेत विभिन्न विषयों में अभी नौ डिप्लोमा कोर्स संचालित किए जाते हैं। इनकी अवधि अलग-अलग है। इनमें से पांच कोर्स डिग्री के लिए चयन किए गए हैं। (ब्यूरो)

दैनिक जागरण

कानपुर जागरण

चीनी मिलों से निकला पानी गन्ना जल ब्रांड बनेगा

जागरण संवाददाता, कानपुर : राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआइ) में पहली महिला निदेशक पद पर बायोकेमिस्ट्री विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सीमा परोहा ने बुधवार को ज्वाइन कर लिया। वो वर्ष 1936 से अभी तक 20वीं और पहली महिला निदेशक हैं। प्रो. सीमा ने प्रेसवार्ता में बताया कि एनएसआइ की प्रयोगशाला में नवाचार और विकास आधारित उत्पादों को बाजार में लाया जाएगा। संस्थान की प्रयोगशाला में चीनी मिलों के निष्प्रयोज्य पानी पर शोध करके पीने लायक बनाया गया है। जिसे गन्ना जल के नाम से मार्केट में लांच किया जाएगा। उन्होंने बताया कि एनएसआइ का 12 देशों में नेटवर्क है। विदेश के छात्रों को अध्ययन के लिए संस्थान में लाने की प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि आइआइटी के साथ मिलकर जैव ईंधन पर तेजी से काम किया जाएगा। फ्यूल के क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से एनएसआइ में सेंटर आफ एक्सीलेंस फार बायोफ्यूल की स्थापना की जाएगी। एनएसआइ के अधिकारी 10 करोड़ रुपये के बजट से दो हास्टल, एक कैफेटेरिया, एक टिश्यू कल्चर लैब और कवर्ड पार्किंग बनाएंगे। नई भर्ती और पदोन्नति भी जल्द की जाएगी।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की नवनियुक्त निदेशक प्रो. सीमा परोहा ● संस्थान

मास्टर डिग्री परिवर्तित होंगे पांच डिप्लोमा कोर्स

एनएसआइ में चल रहे पांच डिप्लोमा कोर्स को चयनित करके मास्टर डिग्री में परिवर्तित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 1.5 साल में पीजी डिप्लोमा करने के बाद शोध के लिए छात्र को एमएससी करनी पड़ती थी। इन कोर्सों का मास्टर में बदलाव होने के बाद शोध छात्र सीधे पीएचडी में प्रवेश ले सकेंगे। अभी तक एनएसआइ में नौ कोर्सेज संचालित किए जाते हैं।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की पहली महिला निदेशक बनी डा0 प्रोफेसर सीमा परोहा

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के लम्बित कार्यों के शीघ्र कराया जाएगा पूर्ण-सीमा परोहा

शहर दायरा न्यूज

कानपुर। 30 अप्रैल 2024 को संस्थान से प्रोफेसर डी. स्वाईन के निदेशक पद से सेवानिवृत्त होने पर जैव रसायन विभाग प्रमुख वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. सीमा परोहा को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के निदेशक पद का कार्यभार सौंपा गया उल्लेखनीय है कि प्रोफेसर सीमा परोहा को संस्थान की प्रथम महिला निदेशक बनने का गौरव प्राप्त हुआ हैं इस प्रकार देश की आधी आबादी का सच्चे अर्थों में प्रतिनिधित्व पूरा हुआ है प्रोफेसर सीमा परोहा का जन्म मूलतः मध्यप्रदेश की औद्योगिक राजधानी इंदौर में पली-बढ़ी हैं एवं उनकी प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा भी इंदौर के नामचीन विद्यालयों में संपन्न हुई इन्होंने देवी अहिल्याबाई महाविद्यालय इंदौर से एमएससी करने के उपरांत रानी दुर्गावती विश्व विद्यालय, जबलपुर से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की अध्ययन अध्यापन के प्रति गहरा जुड़ाव प्रोफेसर सीमा परोहा को शिक्षण जगत की ओर खींच लाया शिक्षक के रूप में प्रथम यात्रा जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्व विद्यालय, जबलपुर से आरंभ हुई छात्र जीवन से ही शैक्षणिक कार्यों से अन्य कार्यकलापों यथा-खेल-कूद, एनसीसी आदि में भी प्रोफेसर सीमा परोहा सक्रिय रहीं इस सक्रियता के चलती उन्होंने शिक्षक जीवन में शिक्षण के अतिरिक्त एनसीसी इंचार्ज का अतिरिक्त प्रभार सहर्ष लेकर पूरा किया महाविद्यालय में प्रोफेसर सीमा परोहा को लेफ्टीनेंट रैंक का अधिकारी मनोनीत किया गया था जीवन में कुछ अलग करने की चाह में

प्रोफेसर सीमा परोहा को एकपुर जबलपुर से दूसरे पुर कानपुर एनएसआई में खींच लाई प्रोफेसर सीमा परोहा ने वर्ष 2014 में संस्थान के जैव रसायन अनुभाग में प्रोफेसर जैव रसायन के पद पर कार्यभार ग्रहण किया लगभग दस वर्षों तक अध्यापन और अनुसंधान का गुरुतर कार्य संपन्न करते हुए प्रोफेसर सीमा परोहा ने कई अनुसंधान पत्र भी प्रकाशित किये वे लगभग गत एक दशक से सीएनजी, बायोगैस, सीएनजी, अल्कोहल एवं इथेनाल संबंधी खोज परक कार्यों में रत हैं प्रोफेसर डॉ. सीमा परोहा ने निदेशक पद का कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात संस्थान कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि उनके लिए निदेशक पद भी जिम्मेदारी से भरा है वे अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करने का पूर्ण प्रयास करेंगी तथा कर्मियों के हितों के संवर्धन की दिशा में कार्य करेंगीं संस्थान को नई ऊंचाइयों पर ले जाना उनका प्रथम लक्ष्य होगा इस कार्य को पूरा करने में सभी का सहयोग अपेक्षित है प्रोफेसर परोहा ने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं को सुनने और उनका समाधान करने के लिये उनके दरवाजे हमेशा खुले रहेंगे सबका साथ, सबका विकास उनके लिये सूत्रवाक्य है कर्मचारियों के प्रमोशन एवं नई भर्ती से जुड़े कार्यों को यथाशीघ्र पूर्ण करते हुये राष्ट्रीय शर्करा संस्थान और अन्य संस्थाओं के मध्य होने वाले एमओयू पर भी शीघ्रता से कार्य होगा इस अवसर पर एस.के. त्रिवेदी, अशोक गर्ग, संजय चौहान, विनय कुमार, डॉ. अशोक कुमार, अनूप कुमार कनौजिया, वीरेन्द्र कुमार, मिहिर मंडल, डॉ.सुधांशु मोहन, डॉ. अनंत लक्ष्मी एवं ब्रजेश कुमार साहू ने निदेशक का स्वागत बुके देकर किया अखिलेश कुमार पांडे, महेन्द्र कुमार यादव, वैभव शर्मा एवं दयाशंकर मिश्र ने अपने विचार व्यक्त कर शुभकामनाएं दीं मल्लिका द्विवेदी, सहायक निदेशक राजभाषा ने कार्यक्रम का संचालन किया

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की पहली महिला निदेशक बनी प्रोफेसर सीमा परोहा

समाचारी न्यूज ब्यूरो

कानपुर। 30 अप्रैल 2024 को संस्थान से प्रोफेसर डी. स्वाईन के निदेशक पद से सेवानिवृत्त होने पर जैव रसायन विभाग प्रमुख वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. सीमा परोहा को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के निदेशक पद का कार्यभार सौंपा गया उल्लेखनीय है कि प्रोफेसर सीमा परोहा को संस्थान की प्रथम महिला निदेशक बनने का गौरव प्राप्त हुआ हैं।

इस प्रकार देश की आधी आबादी का सच्चे अर्थों में प्रतिनिधित्व पूरा हुआ है प्रोफेसर सीमा परोहा का जन्म मूलतः मध्यप्रदेश की औद्योगिक राजधानी इंदौर में पली-बढ़ी हैं एवं उनकी प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा भी इंदौर के नामचीन विद्यालयों में संपन्न हुई इन्होंने देवी अहिल्याबाई महाविद्यालय इंदौर से एमएससी करने के उपरांत रानी दुर्गावती विश्व विद्यालय, जबलपुर से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की अध्ययन अध्यापन के प्रति गहरा जुड़ाव प्रोफेसर सीमा परोहा को शिक्षण जगत की ओर खींच लाया शिक्षक के रूप में प्रथम यात्रा जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्व विद्यालय, जबलपुर से आरंभ हुई छात्र जीवन से ही शैक्षणिक कार्यों से अन्य कार्यकलापों यथा-खेल-कूद, एनसीसी आदि में भी प्रोफेसर सीमा परोहा सक्रिय रहीं।

इस सक्रियता के चलती उन्होंने शिक्षक जीवन में शिक्षण के अतिरिक्त एनसीसी इंचार्ज का अतिरिक्त प्रभार सहर्ष लेकर पूरा किया महाविद्यालय में प्रोफेसर सीमा परोहा को लेफ्टीनेंट रैंक का अधिकारी मनोनीत किया गया था।

जीवन में कुछ अलग करने की चाह में प्रोफेसर सीमा परोहा को एकपुर जबलपुर से दूसरे पुर कानपुर एनएसआई में खींच लाई प्रोफेसर सीमा परोहा ने वर्ष 2014 में संस्थान के जैव रसायन अनुभाग में प्रोफेसर जैव रसायन के पद पर कार्यभार ग्रहण किया लगभग दस वर्षों तक अध्यापन और अनुसंधान का गुरुतर कार्य संपन्न करते हुए प्रोफेसर सीमा परोहा ने कई अनुसंधान पत्र भी प्रकाशित किये वे लगभग गत एक दशक से सीएनजी, बायोगैस, सीएनजी, अल्कोहल एवं इथेनाल संबंधी खोज परक कार्यों में रत हैं प्रोफेसर डॉ. सीमा परोहा ने निदेशक पद का कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात संस्थान कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि उनके लिए निदेशक पद भी जिम्मेदारी से भरा है वे अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करने का पूर्ण प्रयास करेंगी तथा कर्मियों के हितों के संवर्धन की दिशा में कार्य करेंगीं संस्थान को नई ऊंचाइयों पर ले जाना उनका प्रथम लक्ष्य होगा।

इस कार्य को पूरा करने में सभी का सहयोग अपेक्षित है प्रोफेसर परोहा ने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं को सुनने और उनका समाधान करने के लिये उनके दरवाजे हमेशा खुले रहेंगे सबका साथ, सबका विकास उनके लिये सूत्रवाक्य है कर्मचारियों के प्रमोशन एवं नई भर्ती से जुड़े कार्यों को यथाशीघ्र पूर्ण करते हुये राष्ट्रीय शर्करा संस्थान और अन्य संस्थाओं के मध्य होने वाले एमओयू पर भी शीघ्रता से कार्य होगा।

इस अवसर पर एस.के. त्रिवेदी, अशोक गर्ग, संजय चौहान, विनय कुमार, डॉ. अशोक कुमार, अनूप कुमार कनौजिया, वीरेन्द्र कुमार, मिहिर मंडल, डॉ.सुधांशु मोहन, डॉ. अनंत लक्ष्मी एवं ब्रजेश कुमार साहू ने निदेशक का स्वागत बुके देकर किया अखिलेश कुमार पांडे, महेन्द्र कुमार यादव, वैभव शर्मा एवं दयाशंकर मिश्र ने अपने विचार व्यक्त कर शुभकामनाएं दीं मल्लिका द्विवेदी, सहायक निदेशक राजभाषा ने कार्यक्रम का संचालन किया

डॉ. सीमा परोहा ने एनएसआई निदेशक का पदभार ग्रहण किया

कानपुर (नगर छाया समाचार)। 30 अप्रैल को संस्थान से प्रो.डी. स्वाइंन के निदेशक पद से सेवानिवृत्त होने पर जैव रसयान विभाग-प्रमुख वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. सीमा परोहा को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के निदेशक पद का कार्यभार सौंपा गया। उल्लेखनीय है कि प्रो.सीमा परोहा को संस्थान की प्रथम महिला निदेशक बनने का गौरव प्राप्त हुआ है। इस प्रकार देश की आधी आबादी का सच्चे अर्थों में प्रतिनिधित्व पूर्ण हुआ है।

प्रो.सीमा परोहा का जन्म मूलतः मध्यप्रदेश की औद्योगिक राजधानी इंदौर में हुआ एवं उनकी प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा भी इंदौर के नामचीन विद्यालयों में संपन्न हुई। उन्होंने देवी अहिल्याबाई महाविद्यालय, इंदौर से एम.एस.सी. करने के उपरांत रानी दुर्गावती विश्व विद्यालय, जबलपुर से पी.एच.डी. की उपाधि प्राप्त की।

अध्ययन-अध्यापन के प्रति गहरा जुड़ाव प्रो.सीमा परोहा को शिक्षण जगत की ओर खींच लाया। उनकी शिक्षक के रूप में प्रथम यात्रा जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्व विद्यालय, जबलपुर से आरंभ हुई। छात्र जीवन से ही शैक्षणिक कार्यों से इतर अन्य कार्यकलापों यथा-खेल-कूद, एन.सी.सी. आदि में भी प्रो.सीमा परोहा सक्रिय रहीं। इस सक्रियता के चलते उन्होंने शिक्षक जीवन में शिक्षण के अतिरिक्त एन.सी.सी. इंचार्ज का अतिरिक्त प्रभार सहर्ष लेकर पूरा किया। महाविद्यालय में प्रो.सीमा परोहा को लेफ्टीनेंट रैंक का अधिकारी मनोनीत किया किया था।

जीवन में कुछ अलग करने की चाह ने प्रो.सीमा परोहा को एक पुर (जबलपुर) से दूसरे पुर (कानपुर) एन.एस.आई. में खींच लाई। प्रो.सीमा परोहा ने वर्ष 2014 में संस्थान के जैव रसायन अनुभाग में प्रोफेसर जैव रसायन के पद पर कार्यभार ग्रहण किया। लगभग दस वर्षों तक अध्यापन और अनुसंधान का गुरूतर कार्य संपन्न करते हुये प्रो. सीमा परोहा ने कई अनुसंधान पत्र भी प्रकाशित किये। वे लगभग गत एक दशक से सीएनजी, बायोगैस, सीएनजी, अल्कोहल एवं इथेनाल संबंधी खोजपरक कार्यों में रत हैं।

प्रो.(डॉ.) सीमा परोहा ने निदेशक पद का कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात संस्थान कर्मियों को संबोधित करते हुये कहा कि उनके लिये निदेशक पद भी जिम्मेदारी से भरा है। वे अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करने का पूर्ण प्रयास करेंगी तथा कर्मियों के हितों के संवर्धन की दिशा में कार्य करेंगी। संस्थान को नई ऊंचाइयों पर ले जाना उनका प्रथम लक्ष्य होगा। इस कार्य को पूरा करने में सभी का सहयोग अपेक्षित है। प्रो.परोहा ने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं को सुनने और उनका समाधान करने के लिये उनके दरवाजे हमेशा खुले रहेंगे। सबका साथ, सबका विकास उनके लिये सूत्रवाक्य है। कर्मचारियों के प्रमोशन एवं नई भर्ती से जुड़े कार्यों को यथाशीघ्र पूर्ण करते हुये राष्ट्रीय शर्करा संस्थान और अन्य संस्थाओं के मध्य होने वाले एम.ओ.यू. पर भी शीघ्रता से कार्य होगा। इस अवसर पर श्री एस.के.त्रिवेदी, श्री अशोक गर्ग, श्री संजय चौहान, श्री विनय कुमार, डॉ.अशोक कुमार, श्री अनूप कुमार कनौजिया, श्री वीरेन्द्र कुमार, श्री मिहिर मंडल, डॉ.सुधांशु मोहन, डॉ.अनंत लक्ष्मी एवं श्री बृजेश कुमार साहू ने निदेशक महोदया का स्वागत बुके देकर किया। श्री अखिलेश कुमार पांडे, श्री महेन्द्र कुमार यादव, श्री वैभव शर्मा एवं श्री दया शंकर मिश्र ने अपने विचार व्यक्त कर शुभकामनायें दीं। श्रीमती मल्लिका द्विवेदी, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने कार्यक्रम का संचालन किया।

शर्करा संस्थान की सीमा परोस बनी पहली महिला निर्देशक

स्वतंत्र भारत सं. कानपुर। संस्थान से प्रो. डी स्वाईन के निदेशक पद से सेवानिवृत्त होने पर जैव रसयान विभाग प्रमुख वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. सीमा परोहा को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक पद का कार्यभार सौंपा गया। उल्लेखनीय है कि प्रो. सीमा परोहा को संस्थान की प्रथम महिला निदेशक बनने का गौरव प्राप्त हुआ है।

प्रो. सीमा परोहा मूलतः मध्यप्रदेश की औद्योगिक राजधानी इंदौर में पली बढ़ी हैं। जीवन में कुछ अलग करने की चाह प्रो. सीमा परोहा को एनएसआई में वर्ष 2014 में संस्थान के जैव रसायन अनुभाग में प्रोफेसर जैव रसायन के पद पर कार्यभार ग्रहण किया। लगभग दस वर्षों तक अध्यापन और अनुसंधान का गुरूतर कार्य संपन्न करते हुये प्रो. सीमा परोहा ने कई अनुसंधान पत्र भी प्रकाशित किये। वे लगभग गत एक दशक से सीएनजी बायोगैस, सीएनजी, अल्कोहल एवं इथेनाल संबंधी खोजपरक कार्यों में रत हैं। उन्होंने निदेशक पद का कार्यभार ग्रहण कर संस्थान कर्मियों से कहा कि उनके लिये निदेशक पद भी जिम्मेदारी से भरा है। वे अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन का पूर्ण प्रयास करेंगी। कर्मचारियों के प्रमोशन व नई भर्ती से जुड़े कार्यों को यथाशीघ्र पूर्ण करते हुये राष्ट्रीय शर्करा संस्थान और अन्य संस्थाओं के मध्य होने वाले एम.ओ.यू. पर भी शीघ्रता से कार्य होगा। इस अवसर पर एस. के. त्रिवेदी, अशोक गर्ग, संजय चौहान. विनय कुमार, डॉ. अशोक कुमार, अनूप कुमार कनौजिया, वीरेन्द्र कुमार, मिहिर मंडल. डॉ. सुधांशु मोहन, डॉ. अनंत लक्ष्मी एवं बृजेश कुमार साहू, अखिलेश कुमार पांडे, महेन्द्र कुमार यादव, वैभव शर्मा, दया शंकर मिश्र ने शुभकामनायें दीं।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की पहली महिला निदेशक बनी प्रोफेसर सीमा परोहा

सत्य का असर

सत्य का असर समाचार पत्र

02,05, 2024jksingh,hardoi agmail, com मोबाइल नंबर 9956834016

सत्य का असर समाचार पत्र / पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

प्रोफेसर डी स्वाइन निदेशक पद से हुए सेवा निवृत

जीवन में कुछ अलग करने की चाह प्रोफेसर सीमा परोहा को जबलपुर से कानपुर नेशनल शुगर इंस्टिट्यूट खींच लाया

कानपुर नेशनल शुगर इंस्टिट्यूट संस्थान में प्रथम महिला ने संभाला निदेशक पद का कार्य भार

कर्मचारियों की समस्याओं को सुनने और उनका समाधान करने के लिए हमेशा खुले रहेंगे दरवाजे : निदेशक प्रो, डॉ सीमा परोहा

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

कानपुर शुगर नेशनल इंस्टिट्यूट में 30 अप्रैल, 2024 को संस्थान से प्रो.डी. स्वाईन के निदेशक पद से सेवानिवृत्त होने पर जैव रसायन विभाग-प्रमुख वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. सीमा परोहा को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के निदेशक पद का कार्यभार सौंपा गया। उल्लेखनीय है कि प्रो.सीमा परोहा को संस्थान की प्रथम महिला निदेशक बनने का गौरव प्राप्त हुआ है। इस प्रकार देश की आधी आबादी का सच्चे अर्थों में प्रतिनिधित्व पूरा हुआ है। प्रो.सीमा परोहा का जन्म मूलतः मध्यप्रदेश की औद्योगिक राजधानी इंदौर में पली-बढ़ी हैं एवं उनकी प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा भी इंदौर के नामचीन विद्यालयों में संपन्न हुई। उन्होंने देवी अहिल्याबाई महाविद्यालय, इंदौर से एम.एस.सी. करने के उपरांत रानी दुर्गावती विश्व विद्यालय, जबलपुर से पी.एच.डी. की उपाधि प्राप्त की। अध्ययन-अध्यापन के प्रति गहरा जुड़ाव प्रो.सीमा परोहा को शिक्षण जगत की ओर खींच लाया। उनकी शिक्षक के रूप में प्रथम यात्रा जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्व विद्यालय, जबलपुर से आरंभ हुई। छात्र जीवन से ही शैक्षणिक कार्यों से इतर अन्य कार्यकलापों यथा-खेल-कूद, एन.सी.सी. आदि में भी प्रो.सीमा परोहा सक्रिय रहीं। इस सक्रियता के चलते उन्होंने शिक्षक जीवन में शिक्षण के अतिरिक्त एन.सी.सी. इचार्ज का अतिरिक्त प्रभार सहर्ष लेकर पूरा किया। महाविद्यालय में प्रो.सीमा परोहा को लेफ्टीनेंट रैंक का अधिकारी मनोनीत किया गया था। जीवन में कुछ अलग करने की चाह प्रो.सीमा परोहा को एक पुर (जबलपुर) से दूसरे पुर (कानपुर) एन.एस.आई. में खींच लाई। प्रो.सीमा परोहा ने वर्ष 2014 में संस्थान के जैव रसायन अनुभाग में प्रोफेसर जैव रसायन के पद पर कार्यभार ग्रहण किया। लगभग दस वर्षों तक अध्यापन और अनुसंधान का गुरूतर कार्य संपन्न करते हुये प्रो. सीमा परोहा ने कई अनुसंधान पत्र भी प्रकाशित किये। वे लगभग गत एक दशक से सीएनजी, बायोगैस, सीएनजी, अल्कोहल एवं इथेनाल संबंधी खोजपरक कार्यों में रत हैं।प्रो.(डॉ.) सीमा परोहा ने निदेशक पद का कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात संस्थान कर्मियों को संबोधित करते हुये कहा कि उनके लिये निदेशक पद भी जिम्मेदारी से भरा है। वे अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करने का पूर्ण प्रयास करेंगी तथा कर्मियों के हितों के संवर्धन की दिशा में कार्य करेंगी। संस्थान को नई ऊंचाइयों पर ले जाना उनका प्रथम लक्ष्य होगा। इस कार्य को पूरा करने में सभी का सहयोग अपेक्षित है। प्रो.परोहा ने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं को सुनने और उनका समाधान करने के लिये उनके दरवाजे हमेशा खुले रहेंगे। सबका साथ, सबका विकास उनके लिये सूत्रवाक्य है। कर्मचारियों के प्रमोशन एवं नई भर्ती से जुड़े कार्यों को यथाशीघ्र पूर्ण करते हुये राष्ट्रीय शर्करा संस्थान और अन्य संस्थाओं के गठ्य होने वाले एम.ओ.यू. पर भी शीघ्रता से कार्य होगा। इस अवसर पर श्री एस.के.त्रिवेदी, श्री अशोक गर्ग, श्री संजय चौहान, श्री विनय कुमार, डॉ.अशोक कुमार, श्री अनूप कुमार कनौजिया, श्री वीरेन्द्र कुमार, श्री गिरिर मंडल, डॉ.सुधांशु मोहन, डॉ.अनंत लक्ष्मी एवं श्री बृजेश कुमार साहू, ने निदेशक महोदया का स्वागत बुके देकर किया। श्री अखिलेश कुमार पांडे, श्री महेन्द्र कुमार यादव, श्री वैभव शर्मा एवं श्री दया शंकर मिश्र ने अपने विचार व्यक्त कर शुभकामनायें दीं। श्रीमती मल्लिका द्विवेदी, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने कार्यक्रम का संचालन किया।

Indian Express

clinical research, Dr. Y.K. Gupta and Dr. Anurag Srivastava were also present.

Dr. Seema Paroha takes the charge as Director of National Sugar Institute, Kanpur

Professor & Head Biochemistry Department, Dr. Seema Paroha took over the charge as first lady Director of National Sugar Institute, Kanpur on evening of 30th April 2024. Dr. Seema Paroha completed M.Sc. in Biochemistry from Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore, Madhya Pradesh and done her Ph.D from Rani Durgavati Vishwavidyalaya, Jabalpur, Madhya Pradesh. She joined Jawaharlal Nehru Krishi Vishwavidyalaya, Jabalpur as an Assistant Professor and thereafter, National Sugar Institute, Kanpur as Professor & Head in Biochemistry Department in year 2014. Dr. Seema Paroha brought radical changes in the Department by establishing Nano Brewery, Distillation Unit and upgradation of the laboratories. She also contributed in establishment of NABL Accredited test facilities in the Institute. She has a wide experience in the field of alcoholic fermentation, production of ethanol from alternate feedstocks viz. sugar beet, sweet sorghum, cassava, maize etc.

बायोफ्यूल का विकल्प देगा कानपुर

कानपुर। देश को बायोफ्यूल और बायोएनर्जी का विकल्प कानपुर देगा। इसके लिए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किया जाएगा। भारत सरकार ने इसकी अनुमति प्रदान कर दी है। इस सेंटर पर संस्थान के अलावा आईआईटी कानपुर के वैज्ञानिक भी रिसर्च करेंगे। इसको लेकर जल्द आईआईटी कानपुर के साथ समझौता होना तय है। यह बात राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की पहली महिला निदेशक बनी डॉ. सीमा परोहा ने कही। कार्यभार ग्रहण करने के बाद डॉ. सीमा

डॉ. सीमा परोहा।

ने पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा कि प्रथम चरण में संस्थान की विदेशों में बनी पहचान को और बढ़ाना है। इस मौके पर अखिलेश कुमार पांडेय, एसके त्रिवेदी, अशोक गर्ग, संजय चौहान, विनय कुमार, डॉ. अशोक कुमार, अनूप कुमार कनौजिया रहे।

तीन माह में तीसरा निदेशक : राष्ट्रीय शर्करा संस्थान को तीन माह में तीसरा निदेशक मिला है। तत्कालीन निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन लंबी पारी खेलने के बाद 29 फरवरी को रिटायर हुए। इसके बाद संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. डी स्वाईन को नया निदेशक बनाया गया। प्रो. स्वाईन भी 30 अप्रैल को सेवानिवृत्त हो गए। अब डॉ. सीमा परोहा के रूप में संस्थान को पहली महिला निदेशक मिली हैं।

Times of India

Dr Seema Paroha becomes NSI's Ist woman director

TIMES NEWS NETWORK

Kanpur: Dr Seema Paroha has become the first woman director of the National Sugar Institute in Kanpur. Dr Paroha, professor and head of Biochemistry department of NSI, took charge of the office as the director on May 1.

The NSI was established in 1936 and Dr Paroha is the first woman to take charge as the director of the institute in 88 years.

Talking about her priorities, Dr Paroha said that she would focus on filling up various vacant posts of the institute. She said that recently, the ministry gave administrative approval for establishing the Centre of Excellence on Bio-fuels in co-ordination with the Indian Institute of Technology, Kanpur and a Memorandum of Understanding (MoU) shall be signed with the IIT-K in this regard at the earliest.

She added said various post graduate diploma level courses of the institute shall be converted into degree-level courses for providing better opportunities to the entrants. These courses shall become a milestone in developing the institute as 'Institute of Eminence,' said the new director of the NSI. Earlier also, she has been involved in various research programmes related to the value additions for improving profitability and sustainability of the sugar industry.

Dr Paroha completed MSc in Biochemistry from Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore and completed her PhD from Rani Durgavati Vishwavidyalaya, Jabalpur. She joined Jawaharlal Nehru Krishi Vishwavidyalaya, Jabalpur as an assistant professor and thereafter, National Sugar Institute, Kanpur as professor and head of Biochemistry department in 2014.

Dr Seema Paroha took charge as NSI director on May 1

She brought radical changes in the department by establishing Nano Brewery, Distillation Unit and upgradation of the laboratories. She also valuably contributed in establishment of NABL Accredited test facilities in the institute. She has a wide experience in the field of alcoholic fermentation, production of ethanol from alternate feedstocks - sugar beet, sweet sorghum, cassava, maize etc.

Apart from this she has shown a way forward for disposal of spent wash techniques by formulating the charter for distillery units located in river Ganga and Yamuna basin and treatment of waste water generated in the sugar factories in co-ordination with Central Pollution Control Board, Delhi.

DIGITAL NEWS

- डॉ. सीमा परोहा ने राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक का पदभार ग्रहण किया
- Dr. Seema Paroha assumes charge as Director of National Sugar Institute - Uttar Pradesh Today
- NSI की पहली महिला निदेशक बनी डॉ. सीमा परोहा: कार्यभार ग्रहण करने के बाद कहा- इथनॉल और बायो फ्यूल के काम को आगे बढाने की होगी प्राथमिकता
- कानपुर: प्रोफेसर डॉ सीमा परोहा बनी एनएसआई की पहली महिला डायरेक्टर
- राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के निदेशक पद का कार्यभार सौंपा गया
- कानपुर सरकार संस्थान की प्रथम महिला निदेशक बनी सीमा परोहा
- जैव रसायन विभाग प्रमुख डाॅ सीमा परोहा को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर का नया निदेशक बनाया गया
- कानपुर एनएसआई में निदेशक पद का कार्यभार संभाला प्रो डॉ सीमा परोहा
- NSI को मिली पहली महिला निदेशक, डिग्री कोर्सेज शुरू कर संस्थान को विवि बनाने पर होगा जोर
- कानपुर सरकार संस्थान की प्रथम महिला निदेशक बनी सीमा परोहा
- राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की पहली महिला निदेशक बनी डॉ सीमा परोहा
- कानपुर : एनएसआई में पहली बार महिला को निदेशक की जिम्मेदारी, डॉ. सीमा परोहा ने संभाला चार्ज
- एनएसआई में पहली बार महिला को निदेशक की जिम्मेदारी ,डा सीमा परोह ने संभाला चार्ज
- 88 साल बाद महिला को मिली नेशनल शुगर इंस्टिट्यूट की जिम्मेदारी, जानें कौन हैं नई डायरेक्टर सीमा परोहा